भारत सरकार

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय

पशुपालन और डेयरी विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 2180

दिनांक 14 मार्च, 2023 के लिए प्रश्न

राष्ट्रीय गोकुल मिशन

2180. श्री कृपानाथ मल्लाह:

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) राष्ट्रीय गोकुल मिशन की प्रमुख विशेषताओं का ब्यौरा क्या है;

(ख) आज की तिथि तक असम में इस मिशन के अंतर्गत स्वीकृत, आबंटित और उपयोग की गई निधियों का ब्यौरा क्या है;

(ग) विगत तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान इसके अंतर्गत कुल कितने किसानों की पहचान की गई और उन्हें कितना लाभ हुआ; और

(घ) निर्धारित लक्ष्य और अब तक प्राप्त उपलब्धियों का ब्यौरा क्या है और इस पर देश में क्या प्रतिक्रिया है?

उत्तर

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री

(श्री परशोत्तम रूपाला)

(क) भारत सरकार वर्ष 2014 से देशी नस्लों के विकास और संरक्षण, बोवाइन आबादी के आनुवंशिक उन्नयन तथा दूध उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि के लिए राष्ट्रीय गोकुल मिशन को क्रियान्वित कर रही है। यह योजना 2400 करोड़ रुपये के आवंटन के साथ वर्ष 2021 से 2026 तक एक छत्र योजना विकास कार्यक्रम के तहत जारी है। योजना की मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं: (i) उन्नत तकनीकों का उपयोग करके बोवाइन उत्पादकता में वृद्धि करना और दुग्ध उत्पादन को सतत तरीके से बढ़ाना; (ii) प्रजनन उद्देश्यों के लिए उच्च आनुवंशिक गुणवत्ता वाले सांडों के उपयोग का प्रचार करना; (iii) प्रजनन नेटवर्क को मजबूत करके और किसानों के दरवाजे पर कृत्रिम गर्भाधान सेवाओं की प्रदायगी के माध्यम से कृत्रिम गर्भाधान कवरेज को बढ़ाना; (iv) वैज्ञानिक और समग्र तरीके से देशी गोपशु और भैंस पालन तथा संरक्षण को बढ़ावा देना।

(ख) असम में राष्ट्रीय गोकुल मिशन के तहत जारी, आवंटित और उपयोग की गई निधियों का विवरण निम्नलिखित तालिका में दिया गया है:

(लाख रु. में)

कुल संस्वीकृत निधियां	आवंटित निधियां	उपयोग की गई निधियां
5611.22	5611.22	4585.61

(ग) और (घ) राष्ट्रीय गोकुल मिशन के परिणामस्वरूप उत्पादकता में वृद्धि हुई है और कार्यक्रम का लाभ डेयरी व्यवसाय में लगे 8 करोड़ किसानों, विशेष रूप से छोटे और सीमांत किसानों और भूमिहीन मजदूरों को मिल रहा है। पशु उत्पादकता और स्वास्थ्य संबंधी सूचना नेटवर्क के तहत अब तक 8.18 करोड़ किसानों को पंजीकृत किया गया है तथा राष्ट्रीय गोकुल मिशन के राष्ट्रव्यापी कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम घटक के तहत 4.86 करोड़ पशुओं को कवर किया गया, 5.99 करोड़ कृत्रिम गर्भाधान किए गए और 3.23 करोड़ किसान लाभान्वित हुए। योजना के तहत प्राप्त प्रमुख उपलब्धियां **अनुबंध-I** में दी गई हैं।

****

अनुबंध-I

राष्ट्रीय गोकुल मिशन के तहत देशी नस्लों के विकास और संरक्षण के लिए राज्यवार उपलब्धियां

क्र.सं.	राज्य का नाम	नस्ल चयन कार्यक्रम	संतति परीक्षण	आईवीएफ प्रयोगशाला	एनएआईपी			
					जिलों की संख्या	कवर किए गए पशु	किए गए एआई	लाभार्थी किसानों की संख्या
1	आंध्र प्रदेश	-	1	2	26	3176114	4510491	1793624
2	अरुणाचल प्रदेश	-		-	14	3071	3192	1460
3	असम	-		-	33	887071	1013217	757031
4	बिहार	-		2	38	1859764	2147861	1487607
5	छत्तीसगढ	-		1	27	1180247	1351182	756025
6	गोवा	-		-	2	18942	29089	6870
7	गुजरात	2	6	3	21	2609941	3353548	1844381
8	हरियाणा	1	1	1	5	427676	499050	305936
9	हिमाचल प्रदेश	-		1	12	1197727	1578179	932982
10	जम्मू और कश्मीर	-		-	20	1620753	2187329	1111639
11	लद्दाख				2	4688	5148	3887
12	झारखंड	-		-	24	1493182	1660769	1128015
13	कर्नाटक	-		1	17	2561147	3395501	1803732
14	केरल	-	1	1	-	-	-	-
15	मध्य प्रदेश	-		2	51	5396952	6063359	3395477
16	महाराष्ट्र	1		3	33	3149184	3556949	2162114
17	मणिपुर	-		-	9	20042	21239	10751
18	मेघालय	-		-	11	39414	51475	13695
19	मिजोरम	-		-	8	6978	8732	3462
20	नागालैंड	-		-	11	28610	31223	11508
21	ओडिशा	-		2	30	3624732	4475286	2365955
22	पंजाब	1	2	2	-	1131408	1562061	598000
23	राजस्थान	2	1	1	33	3285523	3836971	2461632
24	सिक्किम	-		-	4	27645	30506	20567
25	तमिलनाडु	-	1	3	13	2466988	3640756	1305454
26	तेलंगाना	-		1	32	2379468	2733229	1273862
27	त्रिपुरा	-		-	8	150102	173092	126386
28	उत्तर प्रदेश	-		4	75	6801209	8387906	4272134
29	उत्तराखंड	-		1	13	987874	1297628	738333
30	पश्चिम बंगाल	-		1	20	2054698	2341584	1634581
	कुल	**7**	**13**	**32**	**592**	**48591151**	**59946552**	**32327100**